

वर्षिली जेलीफिश

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में वशिखापत्तनम तट पर वर्षिली जेलीफिश के उत्पन्न होने की सूचना मली है ।

- पेलागिया नोक्टलिका, जसि माउव स्टगिर या बैंगनी-धारीदार जेलीफिश के रूप में भी जाना जाता है, का डंक दरदनाक होता है और दस्त, अत्यधिक दरद, उल्टी व एनाफलेक्टिक सदमे जैसी वभिन्न बीमारियों का कारण बनता है तथा इससे जीवन के लयि खतरा हो सकता है ।
- यह एक बैंगनी रंग की पारभासी प्रजाति है जो तैरते हुए गुब्बारे के समान होती है ।
- यह वशिव भर में उष्णकटबिंधीय और गर्म तापमान वाले समुद्रों में पाया जाता है ।
- अन्य जेलीफिश प्रजातियों के वपिरीत, इसके डंक न केवल टैटेकल्स पर होते हैं, बल्क शरीर के घंटीनुमा भाग पर भी होते हैं ।
- ये बायोलुमनिसेंट हैं, जनिमें अंधेरे में रोशनी उत्पन्न करने की क्षमता है ।
- जेलीफिश की उत्पत्ति तिब होती है जब प्रजातियों की आबादी थोड़े समय के भीतर नाटकीय रूप से बढ़ जाती है, आमतौर पर उच्च प्रजनन दर के कारण । यह अक्सर समुद्र के बढ़ते तापमान के परिणामस्वरूप होता है ।
- अतीत में यह ज्ञात हुआ है कर्क इनसे मछली पकड़ने के उद्योग को बड़े पैमाने पर क्षतिपिहुँची है और पर्यटन पर भी प्रभाव पड़ा है ।

//



और पढ़ें: [505 मिलियन वर्ष पुराने जेलीफिश के जीवाश्म](#)

